कैपिटल ज़ोन

उवाच "

समाजवादी पार्टी के सरकार में ही क्षेत्र व लोगों का विकास हुआ है, प्रदेश में बैठी भाजपा सरकार लोगों को जोड़ने के बजाय तोड़ने का काम कर रही है, विकास कोसों दूर है

- नरेन्द्र सिंह भाटी

ऑडिट का काम पूरा, निवेश के लिए जमीन का पता नहीं

- ग्रेनो प्राधिकरण ने अभी तक 15852 हेक्टेयर जमीन का किया अधिग्रहण
- 14643.25 हेक्टेयर जमीन का अब किया आबंटन
- एक हजार एकड़ से ज्यादा जमीन पर अतिक्रमण

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। औद्योगिक निवेश को लेकर शासन 21 व 22 फरवरी को इंवेस्टर्स समिट करने जा रहा है। निवेश के लिए प्राधिकरण के पास कितनी जमीन उपलब्ध है इसका कोई अता पता नहीं है। लैंड ऑडिट करने के बाद भी प्राधिकरण खाली जमीन के बारे में कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं करा पाया। लैंड ऑडिट पूरी करने के बाद प्राधिकरण अब इसकी रिपोर्ट शासन को भेज रहा है। प्राधिकरण अधिकारियों के हाथ पांव फूले है कि निवेश के लिए खाली जमीन कहां से तलाश की जाए।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना एक्सप्रेस-वे शहर समेत प्रदेश के अन्य शहरों में निवेश के लिए शासन निवेशकों को लुभाने में लगा है। शासन ने इसके लिए सभी प्राधिकरणों से लैंड का ऑडिट कराने का निर्देश दिया था। सभी प्राधिकरण को 31 दिसम्बर तक ऑडिट कर रिपोर्ट देने को कहा था। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण शुक्रवार को लैंड ऑडिट का काम पूरा कर पाया। अब इसकी रिपोर्ट शासन को भेजने जा रहा है। ऑडिट में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 107 गांव में अब तक 15852 हेक्टेयर जमीन का अधिगहण किया है। जिसमें करीब 1248.11 हेक्टेयर सरकारी व ग्राम समाज की जमीन का अधिग्रहण किया है। 1136.01 हेक्टयर जमीन प्राधिकरण ने किसानों से सीधे क्रय किया है। शहरी विकास व सड़क के लिए अब तक प्राधिकरण 14634.25 हेक्टेयर जमीन का आबंटन कर चुका है। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीके त्रिपाठी ने बताया कि फेस-दो में 105 मीटर चौड़ी सड़क व डीएमआईसी के लिए अधिग्रहण किया है। 302 हेक्टेयर जमीन डीएमआईसी के इंटीग्रेटिड इंडस्ट्रीयल टाउनशिप के लिए लिया गया है। 550 हेक्टेयर जमीन मल्टी मॉडल लाजिस्टिक हब व मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट के लिए अधिग्रहण हुआ है। घंघौला गांव में 400 हेक्टेयर जमीन लिया गया है। जिसमें कुछ जमीन औद्योगिक विकास के लिए आबंटित किया गया है। गांव सादोपुर में 180 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण के बदले किसानों को आबादी के लिए लिया गया है। ऑडिट रिपोर्ट में प्राधिकरण ने करीब एक हजार एकड जमीन पर अतिक्रमण व अवैध निर्माण दिखाया है। हैरत की बात यह है कि प्राधिकरण लैंड ऑडिट की रिपोर्ट तैयार कर लिया है। ऑडिट में इसका खुलासा नहीं किया है कि निवेश के लिए अब प्राधिकरण के पास कितनी जमीन उपलब्ध है।

ग्रेनो प्राधिकरण पर किसानों का 11 वें दिन धरना जारी

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय के सामने शुक्रवार 11 वें दिन भी किसानों का धरना प्रदर्शन जारी रहा। किसानों ने दस प्रतिशत विकसित भूखंड समेत अन्य मांगों पर प्राधिकरण ने जल्द फैसला नहीं लिया तो नौ जनवरी से उग्र आंदोलन किया जाएगा। सिरसा गांव में तीन हजार वर्गमीटर जमीन का सर्वे करने गई प्राधिकरण की जमीन का किसानों ने बैरंग वापस लौट दिया। जोगेंद्र प्रधान ने कहा कि किसानों पर उत्पीड़न किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सतेंद्र भाटी ने कहा कि बिरौंडा गांव के किसान पिछले 17 साल से प्राधिकरण के चक्कर काट रहे हैं आज तक उन्हें कोई भूखंड आबंटित नहीं किया गया। धरने में राम सेवक भाटी, प्रमोद मुखिया, जगदीश खारी, मनवीर भाटी, भगवत भाटी, जयवीर भाटी बाबा मुंशी, राकेश शर्मा, विजय पाल, कपिल गुर्जर, हैप्पी पंडित, पवन शर्मा, करण सिंह, जतन भाटी, अमित भाटी, ब्रजेष, ईश्वर, आलोक नागर आदि किसान मौजूद थे।

किसानों के भूखंड शिफ्टिंग पॉलिसी अधर में लटकी

- शिफ्टिंग पॉलिसी को लेकर शासन का आदेश स्पष्ट नहीं
- कमेटी ने शासन को पत्र भेजकर स्पष्ट आदेश के लिए कहा

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा में किसानों के भूखंड शिफ्टिंग पॉलिसी अधर में लटक गया है। शासन ने शिफ्टिंग पॉलिसी बनाने को लेकर कोई स्पष्ट आदेश नहीं दिया। पॉलिसी बनाने को लेकर दो दिन पहले जब कमेटी की बैठक हुई तो शासन सदस्य आदेश को लेकर असमंजस में फंस गए। शासन के आदेश में शिफ्टिंग पॉलिसी बनाने को लेकर कोई स्पष्ट आदेश नहीं दिया गया है बल्कि गांव बादलपुर में भूखंड शिफ्ट करने को लेकर हाईकोर्ट ने जांच कराने का निर्देश दिया था उस पर कमेटी को निर्णय लेने के लिए कहा गया है। इस पर कमेटी ने पॉलिसी बनाने पर हाथ खड़ा कर दिया है। शासन को पत्र भेज कर शिफ्टिंग पॉलिसी को लेकर स्पष्ट आदेश जारी करने को कहा है। इससे अब किसानों को भूखंड शिफ्टिंग का मामला एक फिर अधर में लटक गया है। बता दें कि बसपा शासन काल 2008 में बादलपुर गांव में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने नियम कानून को ताक पर रखकर 154 बीघा जंगल से जीटी रोड के किनारे शिफ्ट कर दिया था। पतवाड़ी गांव की रहने वाली कामन देवी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। जिस पर सात मार्च 2017 में हाईकोर्ट ने जनहित याचिका सुनवाई के बाद शासन को इसकी जांच कराने को कहा था, साथ ही इस पर कोई नियम बनाकर फैसले लेने के लिए कहा था। हाईकोर्ट के आदेश पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने किसानों के सभी भूखंड शिफ्टिंग प्रकरण पर रोक लगा दी था। भूखंड शिफ्टिंग को लेकर किसानों ने आंदोलन किया। जिस पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 110 बोर्ड बैठक में भूखंड शिफ्टिंग पॉलिसी बनाने को लेकर एक समिति बनाने का फैसला लिया था। बोर्ड के फैसले पर शासन ने मोहर लगाते हुए 22 दिसम्बर को यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी थी। शासन ने अपने आदेश में हाईकोर्ट के आदेश पर निर्णय लेकर अपनी रिपोर्ट शासन को देने के लिए कहा। कमेटी की दो जनवरी को बैठक हुई। कमेटी के सदस्यों में जब शासन के आदेश का गहनता से अध्ययन किया तो उसमें पॉलिसी बनाने का कोई स्पष्ट आदेश नहीं था। भूखंड शिफ्टिंग को लेकर अभी तक तीनों प्राधिकरणों में कोई पॉलिसी नहीं बनी है। बादलपुर प्रकरण में हाईकोर्ट के आदेश पर तत्कालीन मंडलायुक्त तक जांच कर शासन को रिपोर्ट भेज चुके हैं। भूखंड शिफ्टिंग का फैसला बोर्ड से लिया जा चुका है। बोर्ड के फैसले पर कोई कमेटी कैसे निर्णय ले सकती है। ऐसे में कमेटी ने शासन को पत्र भेज कर शिफ्टिंग पॉलिसी बनाने को लेकर स्पष्ट आदेश देने को कहा है।

सार संक्षेप

सपा नेता नरेन्द्र सिंह भाटी का लोगों ने किया स्वागत

ग्रेटर नोएडा। बुलंदशहर औरंगाबाद के अशरफपुर गांव में पूर्व मंत्री व एमएलसी नरेन्द्र सिंह भाटी का हुआ जोरदार स्वागत किया गया इस मौके पर नरेन्द्र भाटी ने गांव में स्थापित

एक मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के सरकार में ही क्षेत्र व लोगों का विकास हुआ है, प्रदेश में बैठी भाजपा सरकार लोगों को जोड़ने के बजाय तोड़ने का काम कर रही है, विकास कोसों दूर है। इस मौके पर मुख्य रूप से पुष्पेन्द्र प्रमुख सिकन्दराबाद व जिला पंचायत सदस्य कर्मवीर गुजर मनोज डाढा जिला उपाध्यक्ष सपा, संदीप डाढा, धनेश गुजर, जगत प्रधान, देवेन्द्र प्रमुख मुड़ी साथ रहे।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा

ग्रेटर नोएडा। फुटप्रिंट ने अपना वार्षिक खेल दिवस मनाया, जिसमें बच्चों ने कई प्रकार के खेल प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लिया। खेल दिवस की शुरुआत बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम से हुआ। स्कूल प्रशासन ने ग्रेड्स इंटरनेशनल स्कूल परिसर में आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के अभिभावक तथा परिवार के लोग शामिल हुए। जो कई खेलों में भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर स्कूल के चेयरमैन दीपक मैनी ने सभी बच्चों को पदक एवं सार्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्या शैलजा अवस्थी ने सभी बच्चों, अभिभावकों को प्रोत्साहन भरी भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया।

निकाय चुनाव के लिए गठित कांग्रेस समिति को किया भंग

ग्रेटर नोएडा। कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर विभिन्न कार्यकर्ता व पदाधिकारियों की सूचना पर हाल ही में गठित नगर निकाय चुनाव समीक्षा समिति के बाद जिला कांग्रेस में मची उठापटक व खींचतान एवं गुटबाजी के चलते समिति को प्रदेश नेतृत्व से बाचतीचत करने क बात तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। जिलाध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह नागर ने बताया कि अभी जल्द ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के सभी नगर निकाय चुनाव लड़े कार्यकर्ता एवं जिला-शहर अध्यक्षों पदाधिकारियों, केन्द्रीय कांग्रेस प्रभारी की उपस्थिति में समीक्षा बैठक होगी, जिसकी तिथि एवं स्थान की घोषणा की जाएगी।

घरों से मोबाइल चोरी करने वाले दो चोर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। कासना कोतवाली पुलिस ने घरों में घुसकर चोरी करने वाले दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए चोर सेक्टरों के घरों में घुसकर मोबाइल चोरी किया करते थे। पुलिस ने दोनों को चोरी के आरोप में जेल भेज दिया है। कासना कोतवाली क्षेत्र के रेयान स्कूल के गोलचक्कर पर पुलिस जांच के दौरान दो चोरों को गिरफ्तार किया है।

महिला का पर्स लूटकर फरार हुई युवती

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर दो के सामने बाइक सवार युवक और युवती ने ड्यूटी पर जा रही महिला का पर्स छीनकर फरार हो गए। पीड़ित महिला ने पुलिस को अपने साथ हुई लूट की शिकायत दी। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर लिया है। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने युवती व उसके साथी के खिलाफमहिला का पर्स लूटने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर गामा एक में मकान नंबर सी 50 में रहने वाली अंजली पत्नी कन्हैया सुबह ड्यूटी करने के लिए पैदल ही जा रही थी।

प्रबंधन में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौती पर हुआ व्याख्यान

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। जीएल बजाज इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च संस्थान में लीडरशिप एक्सलेंस उच्च निष्पादन टीम बनाने का रहस्य विषय पर वर्ष के आठवें प्रबंधन विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। इस प्रबंधन विकास कार्यक्रम के आयोजन में वर्तमान व भविष्य में नेतृत्व की सफलता हेतु आवश्यक जानकारी, विकास एवं अभ्यास कौशल की सीख मिली।

यह आयोजन जीएल बजाज एजूकेशनल इन्स्टीट्यूशन्स के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल एवं संस्थान की डायरेक्टर जनरल डॉ. उर्वशी मक्कड़ के दूरदर्शी निर्देशन एवं सफल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जसवीर सिंह कौशल, मैनेजिंग डायरेक्टर, सेन्टर वेयरहाउसिंग कारपोरेशन शामिल हुए। इसके अतिरिक्त राजीव वदाक्केपट,

नेश्ले इंडिया व दीक्षा गुप्ता, टैलेन्ट पार्टनर एडोब की इस कार्यक्रम में सहभागिता की। इस कार्यक्रम में सौ से अधिक, विभिन्न अग्रणी कारपोरेट व शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों एवं शोध छात्रों ने भागीदारी की। डॉ. उर्वशी मक्कड़ ने जानकारी साझा किया कि यह मैनेजमेंट डेवलपमेण्ट कार्यक्रम में भागीदारी जनों को उनकी संस्था के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु उनमें नेतृत्व क्षमता एवं कौशल के विकास के साथ-साथ टीम निर्माण कौशल का भी निश्चित विकास होगा। मुख्य अतिथि जसबीर सिंह कौशल ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी संस्था को कठिन प्रतियोगिता की दौड़ में बने रहने के लिए अच्छे नेतृत्व की आवश्यकता होती है जो संस्था के दृष्टिकोण को निर्धारित कर एक कर्मठ एवं अच्छी टीम का निर्माण करे, जिससे उक्त संस्था की लक्ष्य प्राप्त हो। कार्यक्रम के अधिष्ठाता राजीव वाडेकेपेट एवं दीक्षा गुप्ता ने अपने विचार रखे। जीएल बजाज द्वारा आयोजित इस मैनेजमेण्ट डेवलपमेण्ट प्रोग्राम का पूरा सत्र भागीदारी जनों एवं प्रशिक्षकों के परस्पर संवाद एवं विचारमंथन की गतिविधियों से परिपूर्ण रहा।

मोबाइल की दुकान से 20 लाख का सामान चोरी

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में स्थित मोबाइल की दुकान की छत काटकर चोर 20 लाख से अधिक की कीमत का सामान व 40 हजार रुपये चोरी कर फरार हो गए। पहचान छिपाने के लिए चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की हार्ड डिस्क भी निकालकर साथ ले गए। दुकान में हुई चोरी की जानकारी दुकानदार को सुबह पता चली। दुकानदार ने वारदात की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मुआयना किया व मामले की जांच की।

पहचान छिपाने के लिए सीसीटीवी कैमरे की हार्ड डिस्क निकालकर साथ ले गए

सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के कस्बे में स्थित मोबाइल की दुकान में छत काटकर लाखों का सामान चोरी कर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि मूलरूप से दादरी के नईबस्ती निवासी प्रदीप कुमार की सूरजपुर में दादरी रोड पर मोबाइल की दुकान है। शुक्रवार सुबह प्रदीप को पता चला कि चोरों ने उनकी दुकान की छत काटकर चोरी की है। प्रदीप ने बताया कि चोर दुकान में रखे लगभग 150 मोबाइल, दो लैपटॉप व अन्य सामान के साथ दुकान में रखे 40 हजार रुपये चोरी कर ले गए।

यूथ फेस्टिवल की तैयारी में जुटे शासन व प्रशासन के अधिकारी

जीबीयू में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के लिए बन रहे हैं अलग-अलग हेलीपैड

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय यूथ फेस्टिवल के उद्घाटन में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के पहुंचने को लेकर अलग-अलग हेलीपैड बनाया जा रहा है। युवाओं को ठहरने के लिए गेस्ट हाउस व हॉस्टल की सफाई और अन्य व्यवस्था की जा रही है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के आगमन में 12 जनवरी को दो घंटे से भी कम देरी होने के चलते जीबीयू में दो स्थानों पर हेलीपैड तैयार किए जा रहे हैं। एक हेलीपैड जहां क्रिकेट स्टेडियम के पास पहले से बना है उसे साफ-सफाई करके तैयार किया जा रहा है। यहां प्रधानमंत्री के आने की व्यवस्था के चलते उनकी पूरी लीट और अधिकारी-मंत्री मौजूद होंगे। वहीं, दूसरा उससे कुछ दूर पार्क के पास तैयार किया जाएगा। जीबीयू के मुख्य अभियंता ललित गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार मंत्रालय की ओर से नेहरू युवा केंद्र के अधिकारी भी जीबीयू में पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। इनके लिए गेस्ट हाउस में ही दफ्तर तैयार किया जा रहा है। जीबीयू में इन्हें साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिनसे सांस्कृतिक, शास्त्रीय, लोक, कला कार्यक्रम, प्रदर्शनी आदि की व्यवस्था की जा रही है।

नेशनल यूथ फेस्टिवल में देश भर से जुटने वाले 35 सौ युवाओं सहित अन्य प्रतिनिधिमंडल सदस्यों, सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मियों को मिलाकर करीब पांच हजार लोगों के लिए के लिए बेहद कम समय में जीबीयू प्रशासन को ठहरने और खाने का इंतजाम करना पड़ेगा। इसके लिए सभी सभी गेस्ट हाउस को रहने के लिए तैयार किया जा रहा है।

भाकियू ने यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण की महांपचायत

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। भारतीय किसान यूनियन ने किसानों की मांगों को लेकर शुक्रवार यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय के सामने महापंचायत की। महापंचायत के माध्यम से भाकियू ने किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा तुरंत दिए जाने, गांवों विकास करने और सफाई कर्मचारी लगाने। शमशान व कब्रिस्तान की चारदीवारी कराई जाए तथा जिन गांव में शमशान व कब्रिस्तान नहीं है उन गांव में शमशान और कब्रिस्तान बनाए जाए। जिन किसानों पर भूमाफिया के झूठे केस लगाए गए हैं तुरंत वापस किए जाए। काफी समय से किसानों की आबादी का निस्तारण नहीं हुआ है वह तुरंत किया जाए तथा किसानों की आबादी ज्यादा से ज्यादा छोड़ी जाए। जिन किसानों की आबादी का अधिग्रहण किया गया है उन किसानों के बच्चों को रोजगार दिया जाए। सेक्टर-21 में किसानों से काफी

- पंचायत के ओएसडी एके तिवारी को सौंपा ज्ञापन

भूमि वापस सहमति के आधार पर किसानों से खरीदी गई है कुछ अंश भूमि की किसानों को बची हुई भूमि दिलवाई जाए। जिन गांवों से ग्राम पंचायत समाप्त हो चुका है, उन गांवों का विकास तुरंत कराया जाए। किसानों ने प्राधिकरण ओएसडी एके तिवारी को ज्ञापन दिया। जिस पर ओएसडी ने आश्वासन दिया नौ जनवरी को अध्यक्ष व सीईओ के साथ यमुना प्राधिकरण में किसानों की बैठक होगी जिसमें सभी मुद्दे पर चर्चा होगी।

नर्सरी से कक्षा 8 तक के सभी स्कूल दस जनवरी तक रहेंगे बंद

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। शीतलहर एवं अत्यधिक कोहरा एवं ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर ब्रजेश नारायण सिंह जिले के सभी नर्सरी से कक्षा-8 तक के सभी स्कूल बंद रखने के निर्देश दिए हैं। उनका यह आदेश सभी सरकारी स्कूल, गैर मान्यता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई बोर्ड तथा आईसीएसई बोर्ड पर भी लागू होगा। ज्ञातव्य हो कि जिलाधिकारी के आदेश पर 4 जनवरी तक पूर्व में स्कूल बंद करने के आदेश दिए गए थे। शीतलहरी एवं अत्यधिक ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी ने अब आगामी 10 जनवरी तक उपरोक्त सभी स्कूल बंद रखने के निर्देश दिए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बाल मुकुंद प्रसाद ने बताया कि ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी ने छोटे बच्चों के स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया है।

एसटीएफ एएसपी त्रिवेणी सिंह बने डॉ. त्रिवेणी सिंह

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। साइबर अपराधियों पर नकेल कसने वाले तेज तर्रार पुलिस अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ त्रिवेणी सिंह को एमिटी विश्वविद्यालय से प्रोफेसर की मानद उपाधि मिला है। धीरेन्द्र कुमार, उप सचिव उत्तर प्रदेश शासन ने त्रिवेणी सिंह को प्रोफेसर की उपाधि अपने अभिलेखों में लिखने की अनुमति दिया है। डॉ त्रिवेणी सिंह हाइटेक होती उत्तर प्रदेश पुलिस का वह चेहरा हैं, जो न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर न्यायिक सेवा, पुलिस सेवा से लेकर सीबीआई एकेडमी में साइबर क्राइम पर व्याख्यान दे चुके हैं। उन्हें नैसकॉम व डीएससीआई द्वारा साइबर कॉप ऑफ इंडिया से सम्मानित कर चुके हैं। डॉ. त्रिवेणी सिंह इस समय एसटीएफ, एएसपी के रूप में पश्चिमी उत्तर प्रदेश गौतमबुद्धनगर में तैनात हैं। डॉ.

त्रिवेणी सिंह देश के पहले पुलिस अधिकारी हैं, जिन्होंने साइबर क्राइम में पीएचडी की डिग्री हासिल की है। त्रिवेणी सिंह मूल रूप से बलिया के रहने वाले हैं। 1994 बैच के उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा के अधिकारी हैं और प्रदेश के कई जनपदों में इनकी तैनाती रही है. नोएडा में साइबर क्राइम सेल में एएसपी रहे हैं और बरेली जैसे बड़े शहर में एसपी सिटी के रूप में बेहतरीन काम किया है। डॉ. त्रिवेणी सिंह भारत के राष्ट्रपति द्वारा गैलेंट्री अवार्ड से सम्मानित किए जा चुके हैं, उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियों की बात करें तो 3700 करोड़ रुपए के पांजी स्कैम, रेलवे एक्जाम पेपर लीक, जॉब पोर्टल, इंश्योरेंस फ्रॉड जैसे 100 से अधिक बड़े क्राइम की घटनाओं का खुलासा किया है।

अब तक मिल चुका है ये सम्मान

- भारत के राष्ट्रपति से गैलेंट्री अवार्ड से सम्मानित
- नैसकॉम व डीएससीआई द्वारा साइबर कॉप ऑफ इंडिया से सम्मानित
- एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा लाइफ टाइम एचीवमेंट पुरस्कार
- सीबीआई डायरेक्टर द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर
- डीजीपी उत्तर प्रदेश द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर
- डिजीटल इनवेस्टिगेटर्स एसोसिएशन द्वारा लाइफ टाइम एचीवमेंट पुरस्कार
- एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा मानद प्रोफेसर की उपाधि

समझौता — *विद्यार्थियों को रोजगारपरक बनाने के लिए पेगा करेगा तैयार*

एनआईईटी ने पेगा सिस्टम्स के बीच किया समझौता

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलॉजी में पेगा सिस्टम्स के साथ समझौता किया, एमओयू साइन रमन बत्रा, कार्यकारी उपाध्यक्ष, एनआईईटी और के. श्रीधर, मुख्य डिजिटल अधिकारी, टैलेंटस्प्रिंट ने सारादा सत्पथी, सीनियर मैनेजर तकनीकी सक्षमता एवं पेगा यूनिवर्सिटी अकादमी कार्यक्रम, पेगा सिस्टम्स और गिरिदरन, निदेशक बिज़नेस डेवलपमेंट, टैलेंटस्प्रिंट की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

इसके अलावा एनआईईटी के प्रबंध निदेशक डॉ. ओपी. अग्रवाल, एनआईईटी के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक डॉ. नीमा अग्रवाल, एनआईईटी के निदेशक डॉ. अजय कुमार, सभी एचओडी के साथ उपस्थित रहे। एमओयू का उद्देश्य पेगा के अनुकूली, क्लाउड-आर्किटेक्टेड सॉफ्टवेयर पर छात्रों को प्रशिक्षित करना है जो अपने एकीकृत पेगा प्लेटफार्म पर बनाया गया है।

पेगा प्लेटफार्म लोगों को तेजी से काम में लगाने, और आसानी से विस्तार व अनुप्रयोगों को रणनीतिक व्यवसाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए परिवर्तित कर सकती है। इस अवसर पर सरदा, पेगा सिस्टम्स ने कहा कि पाठ्यक्रम सर्टिफाइड स्टूडेंट आर्किटेक्ट और सर्टिफाइड कस्टमर सर्विस आर्किटेक्ट सर्टीफिकेशन्स पर छात्रों को प्रशिक्षण और प्रमाणित

करेगा। इस अवसर पर रमन बत्रा ने पहल की सराहना करते हुए कहा कि एनआईईटी ने इस सहयोग में प्रवेश करने के लिए उत्तर में एकमात्र संस्थान बनने के लिए कड़े मानदंडों को पार किया है। उन्होंने कहा कि एनआईईटी का उद्देश्य प्रौद्योगिकी, कार्यक्रमों और सेवाओं के माध्यम से छात्रों के सीखने के अनुभव को बदलने के द्वारा अभिनव, समग्र, और 21 वीं सदी का तकनीकी अनुभव और ज्ञान प्राप्त करना है। पेगा सिस्टम्स के साथ टाई अप हमारे छात्रों को आगामी जॉब मार्केट के लिए तैयार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

ईएसडी ने डॉ. विनोद शनवाल को दिया राष्ट्रीय ग्रीन पुरस्कार

ग्रेटर नोएडा, 5 जनवरी (देशबन्धु)। शिक्षा और प्रशिक्षण विभाग के प्रमुख गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के डॉ. विनोद कुमार शनवाल को ईएसडीए राष्ट्रीय ग्रीन पुरस्कार-2017 प्राप्त किया है।

ईएसडीए की पुरस्कार समिति ने शिक्षा और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय और उत्कृष्ट योगदान की गणना के आधार पर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए डॉ. शनवाल का चयन किया गया। पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए) द्वारा विश्व मित्र परिवार के सहयोग से आयोजित भारत के पर्यावरणीय चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान यह पुरस्कार उपाध्यक्ष, भारतीय संविधान क्लब, रफी मार्ग, नई दिल्ली में दिया गया। दिल्ली, ब्लू प्लैनेट सोसाइटी, इलाहाबाद और श्रीमन्शा फाउंडेशन, दिल्ली भी सहयोगी फाउंडेशन रही। डॉ. शनवाल को उनके असाधारण योगदान के प्रतीक के रूप में स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र दिया गया। डॉ. शनवाल ने सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता भी किया।